10 Incidents: Global forces against 'Hindu Saint'

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान **केबल न्यूज़ नेटवर्क** (CNN) में 25 जुलाई 2025 को ऐश्वर्या एस. अय्यर और दीपक राव द्वारा एक लेख प्रकाशित किया गया, जिसमें कांवड़ियों द्वारा नशे के सेवन पर शातिराना तरीके से सवाल उठाए गए। लेख में यह भी आरोप लगाया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ ***हिंदू बाबाओं के नेतृत्व में सांप्रदायिक माहौल बनाया जाता है और नशे को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।***

यह रिपोर्ट, **वर्ष 2016 से 2025** के बीच अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों द्वारा ***हिंदू धर्मगुरुओं/बाबाओं*** को लेकर प्रकाशित किए गए **10 प्रमुख घृणास्पद और षड्यंत्रकारी लेखों** पर आधारित है।

S.No.	Year	Details	Image/Source
1.	25 जुलाई, 2025	**हिंदू बाबाओं पर सांप्रदायिक माहौल बनाने का आरोप** **संस्था** - केबल न्यूज़ नेटवर्क (अमेरिकी संगठन) **विवरण**- प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान सीएनएन में ऐश्वर्या एस. अय्यर और दीपक राव द्वारा एक लेख प्रकाशित किया गया, जिसमें कांवड़ियों द्वारा नशे के सेवन पर सवाल उठाए गए। लेख में यह भी आरोप लगाया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ हिंदू बाबाओं के नेतृत्व में सांप्रदायिक माहौल बनता है और नशे को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।	 CNN
2.	26 फरवरी 2025	**शिवरात्रि पर्व को भांग-पान और गांजा सेवन तक सीमित कर दिखाना** **संस्था:** Associated Press (AP News) **विवरण:** नेपाल के काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में मनाई गई शिवरात्रि के अवसर पर प्रकाशित रिपोर्ट में, AP ने कई फोटो और विवरणों के माध्यम से यह दिखाने की कोशिश की कि वहां आने वाले साधु और श्रद्धालु बड़ी संख्या में गांजा पीते हैं। **रिपोर्ट में साधुओं को "marijuana-smoking holy men" कहा गया**, और इस धार्मिक उत्सव को मुख्यतःनशे और गांजा सेवन से जोड़ा गया, जबकि इसका आध्यात्मिक और धार्मिक पक्ष लगभग अनदेखा कर दिया गया।	 Apnews

3.	8 जुलाई, 2024	**चमत्कार के नाम पर हिंदू धर्मगुरुओं पर सवाल** **संस्था** - रॉयटर्स ग्रुप लिमिटेड **विवरण**- रॉयटर्स ने "भोले बाबा" पर एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें उनके अनगिनत "चमत्कारों" पर गंभीर सवाल उठाए गए। चमत्कारी इलाज और आध्यात्मिक सलाह को व्यवसाय बताते हुए रॉयटर्स ने भोले बाबा (सूरज पाल सिंह जाटव) को फर्जी बताया। रिपोर्ट में बाबा को झूठा और कारोबारी साबित करने के लिए भारत के कुछ हिंदू-विरोधी व्यक्तियों के साक्षात्कार भी जोड़े गए, और यह दिखाने की कोशिश की गई कि "बेरोज़गारी, अभाव, भेदभाव, अज्ञानता और निरक्षरता के माहौल में लोग धर्मगुरुओं में आशा देखते हैं।"	 Reuters
4.	8 जनवरी, 2024	**धर्म के नाम पर फलते-फूलते हैं आध्यात्मिक नेता** **संस्था** - डॉयचे वेले (Dw) **विवरण**-बाबा सूरज पाल की धार्मिक सभा में भगदड़ की घटना के संदर्भ में लेखक मुरली कृष्णन ने डॉयचे वेले के लिए एक विस्तृत लेख लिखा। **इस लेख में हिंदू धर्मगुरुओं की आध्यात्मिक चेतना पर प्रश्न उठाए गए और धर्मसभाओं को पैसे कमाने का माध्यम बताया गया।** डॉयचे वेले ने इस लेख में गुरु रामपाल सिंह जतिन, स्वामी प्रेमानंद, गुरमीत राम रहीम सिंह और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जैसे हिंदू धर्मगुरुओं को धर्म के नाम पर शोषण करने वाला बताया।	 Dw

5.	6 फरवरी, 2023	**धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के जरिए बागेश्वर धाम सरकार पर सवाल** **संस्था** - ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन **विवरण**-'बागेश्वर धाम सरकार: भारतीय गुरु 'चमत्कारिक' इलाज को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं' टाइटल से एक लेख बीबीसी में गीता पांडे की बायलाइन से प्रकाशित हुआ। लेख में **धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा पर्ची निकालने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए और उन्हें ठग सिद्ध करने की कोशिश की गई।** जादूगरों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के हवाले से यह दर्शाया गया कि किस प्रकार धर्म की आड़ में बागेश्वर धाम के नाम पर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री व्यापार कर रहे हैं। **लेख में यह भी कहा गया कि बागेश्वर धाम सरकार में चमत्कार जैसा कुछ नहीं है।**	 BBC
6.	25 फरवरी 2022	**हिंदू संतों को नशेड़ी दिखाने वाला विशेष लेख** **संस्था** - ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन **विवरण**- बीबीसी ने फरवरी 2022 में चारुकेसी रामदुरई नामक लेखक द्वारा एक **विशेष लेख** प्रकाशित किया, जो मुख्य रूप से भारतीय संतों द्वारा भांग और गांजा सेवन को लेकर था। लेख में यह दर्शाने का प्रयास किया गया कि हिंदू धर्म में नशे को कैसे केंद्र में रखा जाता है, और **साधु-संत इसका खुलेआम सेवन करते हैं, जबकि यह नशा देश में अवैध है।**	 BBC
7.	25 मई 2021	**कोविड में योग गुरु रामदेव पर निशाना** **संस्था** - ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन **विवरण**-'भारत में डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और भारतीय योग गुरु बाबा रामदेव के बीच चले आपसी विवाद को लेकर बीबीसी ने कई लेख प्रकाशित किए। इन लेखों के माध्यम से योग गुरु को झूठा और ठग साबित करने का प्रयास किया गया। 25 मई 2021 को प्रकाशित अपने एक लेख में बीबीसी ने कहा कि योग गुरु बाबा रामदेव धर्म के नाम पर व्यवसाय चला रहे हैं। विज्ञान-आधारित चिकित्सा पर उनके बयान उनकी समझ से परे हैं। उनकी दवाइयाँ और उत्पाद भी गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतरते।	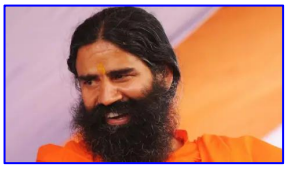 BBC

8.	27 मई 2021	**कोरोना के लिए समर्पित मंदिर को बताया कोविड 'देवी'** **संस्था** - अल जज़ीरा मीडिया नेटवर्क **विवरण**-'कोविड-19 संक्रमण से दुनिया की रक्षा हो और सबका मंगल हो - इसी उद्देश्य से समर्पित तमिलनाडु राज्य के दक्षिणी शहर कोयंबटूर में एक मंदिर को Al Jazeera ने 'कोरोना देवी' बताकर प्रस्तुत किया। लेख में यह दिखाने की कोशिश की गई कि भारत में आस्था का स्तर निम्न है, और लोग विज्ञान-आधारित गंभीर समस्या का समाधान अंधविश्वास से दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। लेख में Al Jazeera ने हिंदू पुजारियों के हवाले से यह बयान भी प्रकाशित किया कि इससे पहले भी इसी तरह के धार्मिक प्रयोग किए गए हैं।	 Aljazeera
9.	16 जून, 2017	**अघोरों को बताया कुख्यात मांसभक्षी** **संस्था** - वॉशिंगटन पोस्ट **विवरण**- वॉशिंगटन पोस्ट ने एक विस्तृत फोटो-आधारित विशेष लेख प्रकाशित किया, जो भारत के अघोर संप्रदाय पर केंद्रित था। लेख के माध्यम से अघोरों के त्याग और समर्पण को न दिखाकर उन्हें कुख्यात मांसभक्षी के रूप में प्रस्तुत किया गया। अघोर संप्रदाय और अमावस्या को लेकर भी शातिर तरीके से यह नैरेटिव गढ़ा गया कि अघोरी शिव को शवों के मांस चढ़ाते हैं और स्वयं भी मांस का सेवन करते हैं।	 Washingtonpost
10.	10 अप्रैल, 2016	**'बोतल में आध्यात्मिकता' शीर्षक से बाबा रामदेव को लेकर लेख** **संस्था** - द गार्जियन **विवरण**- गार्जियन ने बाबा रामदेव विवाद को लेकर विधि दोशी के नाम से एक विशेष लेख पब्लिश किया, जिसका शीर्षक था – ***'बोतल में आध्यात्मिकता: भारतीय गुरु ने श्रद्धालुओं के लिए 'पवित्र' बॉडीवॉश पर साम्राज्य खड़ा किया'।*** लेख में बाबा रामदेव और उनके योग प्रयोग को ढोंग और पैसा कमाने का जरिया बताया गया। लेख में बाबा रामदेव के विज्ञापन विवाद को लेकर गार्जियन ने भारतीय आध्यात्मिकता और धर्मगुरुओं की दिव्य शक्तियों को झूठा और अंधविश्वास बताया।	 Theguardian